

सीआईएसएफ की गीता समोता एवरेस्ट फतह करने वाली पहली महिला अफसर

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की लेडी सब-इंस्पेक्टर गीता समोता ने माउंट एवरेस्ट (8,849 मीटर) फतह कर इतिहास रच दिया है। 19 मई 2025 को उन्होंने विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर कदम रखा, जो सीआईएसएफ और भारत के लिए गौरव का क्षण है।

राजस्थान के सीकर जिले के चक गांव से शुरू हुआ गीता का सफर साहस और प्रेरणा की मिसाल है। बल के उप महानिरीक्षक अजय दहिया ने बताया चार बहनों के साधारण परिवार में जन्मी गीता ने स्थानीय स्कूल-कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की। हॉकी में होनहार होते



हुए चोट ने उन्हें खेल से दूर किया, लेकिन 2011 में सीआईएसएफ में शामिल होने के बाद उन्होंने पर्वतारोहण को चुना। 2015 में औली के आईटीबीपी संस्थान में बेसिक पर्वतारोहण कोर्स और 2017 में एडवांस्ड कोर्स पूरा कर वह सीआईएसएफ की एकमात्र महिला

पर्वतारोही बनीं। 2019 में गीता ने माउंट सतोपंथ और लोबुचे फतह कर सीआईएसएफ की पहली महिला बनीं। 2021-22 में उन्होंने सात शिखर चुनौती के तहत ऑस्ट्रेलिया, रूस, तंजानिया और अर्जेंटीना की चार चोटियों को छह महीने में फतह किया।

लद्दाख में तीन दिन में पांच चोटियों पर चढ़कर भी रिकॉर्ड बनाया। गीता को दिल्ली महिला आयोग और नागरिक उड्डयन मंत्रालय से पुरस्कार मिले। सीआईएसएफ ने उनके अभियानों का समर्थन किया। गीता का कहना है कि पहाड़ लिंग भेद नहीं करते, जज्बा चाहिए। वह युवा लड़कियों को बड़े सपने देखने की प्रेरणा देती हैं। सीआईएसएफ 2026 में एवरेस्ट के लिए टीम भेजेगा।